मासिक पत्रिका अप्रैल 2019

"सब काम धर्मानुसार, अर्थात् सत्य और असत्य को विचार करके करना चाहिए।"-महर्षि दयानन्द सरस्वती

॥ ओ३म् ॥

आर्य समाज कैलाश-ग्रेटर कैलाश -1 (पंजी.)

ARYA SAMAJ KAILASH-GREATER KAILASH-I (Regd.) Regn. No. 3594/1968

New Delhi-110048 • Tel.: 29240762, 46678389 • E-mail : samajarya@yahoo.in • Web.: www.aryasamajgk1.org

An ISO 9001:2015 Certified Institution

विजय लखनपाल प्रधान | विजय भाटिया मंत्री | अमर सिंह पहल कोषाध्यक्ष

उल्लास और शान्ति

-यश वर्मा (आर्य समाज-यमुना नगर)

आज हम ऋग्वेद के इस मन्त्र के दूसरे भाग पर विचार करेंगे। **तेभिर्नः सोम मृडय,** अर्थात् हे सोम, उन तरंगों से हमें आनन्दित कर दो। कितनी अच्छी प्रार्थना की गई है प्रभु से कि हमें आनन्दित कर दो। मनुष्य के जीवन में आनन्द तभी आएगा जब उसका हृदय उल्लास से भरा हुआ होगा और मन में शान्ति होगी। यहाँ पर हम **उल्लास और शान्ति** की कुछ चर्चा करते हैं।

ये ते पवित्र मूर्मयोऽभिक्षयरन्ति धारया।
तेभिर्नः सोम मृडया॥ ऋ. ९.६१.५

मानव जीवन में उल्लास का बहुत महत्त्व है। जिसके जीवन में उल्लास है उसके जीवन में उमंग है, उत्साह है, प्रसन्नता है। अपने जीवन को एकगीत से, संगीत से, भजन से ऐसा भर दो कि आपका मन सदा उत्तम, बढ़िया, अच्छा बना रहे। अपनी ज़िन्दगी में ऐसी व्यवस्था बना लो कि हम वो हैं जो हवाओं का रुख बदलना जानते हैं। यानी हम ऐसे साहसी बनें जो हताश-निराश परिस्थितियों को भी उल्लास में बदलना जानते हैं, रुलाती घड़ियों में भी खिलखिलाहट को पैदा करना जानते हैं। बच्चा कितनी बार गिरता है उसे याद नहीं होता इस बात का कि बचपन में कितनी बार गिरा था। आपको याद नहीं होगा कि कितनी बार गिरे बचपन में लेकिन जितनी बार गिरे उतनी बार तेज़ी से उठे। क्योंकि ऊपर उठने का **अभ्यास** जारी रखा, परिणाम क्या हुआ, आप तेज़ी से दौड़ना सीख गए, बड़े होना सीख गए। हार जाना बड़ी बात नहीं है, हारकर जीतने के लिए मनोबल बढ़ा लेना बड़ी बात है।

जीवन में गिर भी जाएँ तो भगवान से माँग लेना, **प्रार्थना** कर लेना कि हमें ऊपर उठने की शक्ति देना, हमें वो जीवनी शक्ति लौटा दो जिससे हमारा मन, जो हताश निराश हो जाता है, उसे फिर से आशान्वित कर सकें। हमारे ग्रन्थों में कहा गया है कि आगे बढ़ने के लिए ऊपर उठने के लिए भगवान ने हमें यह मानव जीवन दिया है। इसलिए समय-समय पर अपने-आपको **परखते** रहिए कि पहले से शान्ति बढ़ी है या घटी है, पहले से उत्साहित हुआ हूँ या हतोत्साहित, पहले अधिक मुस्कुराता था या अब कम मुस्कुराता हूँ, पहले अच्छा था या अब अच्छा हूँ। पहले से **बेहतर बनने का प्रयास** करें। भगवान ने इतने अच्छे दाँत दिए हैं, इन्हें हँसते, मुस्कुराते हुए दिखाइए, खुश रहिए। दाँत नहीं हैं, हँसा तो फिर भी जा सकता है, खुश रहा जा सकता है। एक बहुत बड़े सन्त हुए हैं जिन्होंने देहरादून तपोवन में वैदिक साधन आश्रम की स्थापना की व बहुत-सी रुचिकर मार्गदर्शक पुस्तकें भी लिखी-वह लिखते हैं कि ज़ोर से हँसो, सोसायटी में नहीं हँस सकते तो अकेले हँसो, बन्द कमरे में हँसो। कहने का भाव है कि हम प्रभु से जुड़ें तो मन उल्लासित, हर्षित रहता है।

जो आगे बढ़े हुए लोग हैं वे समय का बहुत ध्यान रखते हैं। वे जल्दी उठकर अपनी दिनचर्या प्रारम्भ करते हैं। अपनी आत्मा-मन-शरीर का बल बढ़ाने के लिए आत्मिक, मानसिक, शारीरिक उन्नति के लिए प्रयास करते हैं। मन से हारा हुआ व्यक्ति पहले बिस्तर पर हारता है, प्रातः उठता ही नहीं और फिर हारा ही रहता है। जीतने वाला व्यक्ति बिस्तर पर जंग जीतता है और फिर अपने कर्त्तव्य क्षेत्र में भी जीतता चला जाता है और एक सफल व्यक्ति बनता है। बच्चों के साथ, पति-पत्नी के साथ, माता-पिता के साथ समय बिताएँ व प्रसन्नता का वातावरण घर में बनाएँ।

ज़िन्दगी में जीतना है, सफल होना है तो **आराम को छोड़ना होगा।** जो आराम छोड़ देता है, दुनिया उसे ही सलाम करती है। जो आलस्य से बाहर आता है और जीवन में कुछ खतरा उठाने को तैयार होता है, ज़िन्दगी का आनन्द उसी के लिए है। जीवन का आनन्द लेने के लिए अपने-आप में कुछ **परिवर्तन लाना होगा।** अच्छी आदतें मुश्किल से सीखने में आती हैं, सीख गए तो मुश्किलों को आसान कर देती हैं लेकिन बुरी आदतें आसानी से आती है और ज़िन्दगी को मुश्किल में डाल देती है। इसलिए हम अपने स्वभाव पर यदा कदा अवश्य विचार करते रहें ताकि हमारे

जीवन का उल्लास, उत्साह बढ़ता रहे।

आपके जीवन में उल्लास, तभी होगा जब आपके मन में शान्ति होगी। उल्लास और शान्ति परस्पर जुड़े हैं। गीता, जो हिन्दू समाज का अनमोल ग्रन्थ है जिस पर न्यायालय में भी हाथ रखकर कसम खाई जाती है, हमें प्रसन्नता, सुख समृद्धि, शान्ति का संदेश देती है और इनको पाने के साधन बताती है। यदि आप अपनी समस्याओं, परिस्थितियों को जीतना चाहते हो तो **गीता की ओर जाना चाहिए** क्योंकि गीता के कारण ही बारह वर्ष तक वन में खाक छानने के बाद पांडवों को साम्राज्य मिल पाया था, जबकि वह शक्तिशाली, बुद्धिमान थे, धर्म को जानने व मानने वाले थे परन्तु, नसीब खुल नहीं पा रहे थे। गीता प्रकट होना चाहती थी। भगवान श्रीकृष्ण जी के मुख से, मानव मात्र के लिए, अर्जुन तो माध्यम मात्र था। गीता से पांडवों का भाग्य जागा, सम्मान, समृद्धि, साम्राज्य सब मिला। यदि आप भी शान्ति सुख, समृद्धि, सफलता, धन, ऐश्वर्य, आनन्द, उल्लास, मोक्ष चाहते हैं तो गीता को सुनो, पढ़ो। गीता को जिओ, गीता को जीवन में उतार लो। गीता मन को शक्तिशाली बना देती है, मनुष्य में वीरता का संचार कर देती है। गीता जन्म-मरण दोनों को सुधार देती है। हमारे पंच क्लेशों अविद्या, अस्मिता, राग, द्वेष व अभिनिवेश को दूर करके हमें शान्ति प्रदान करती है।

मन में शान्ति होगी तो खुशी टिकेगी घर में, कारोबार, मोहल्ला, नगर, प्रदेश, देश, विश्व में। सब ओर उन्नति होगी और खुशी का साम्राज्य होगा। पहले शान्ति होगी फिर सुख होगा। शान्ति नींव है जिस पर सुख की दीवार टिकेगी। प्रभु के ध्यान, आपसी प्रेम और एकता से ही शान्ति आती है। मिट्टी की एकता से ईंट बनती है, ईंट की एकता से दीवार, दीवारों की एकता से घर, घरवालों की एकता से खुशहाली आती है। **घर का आधार प्रेम, प्रेम का आधार सुख, सुख का आधार शान्ति है।**

गीता के अध्याय 6 में श्लोक 27 इस प्रकार है:-

प्रशांत मनसं होनं योगिनं सुख मुत्तमम।
उपैति शांत रजसं ब्रह्म मूतम कल्मषम॥

अर्थात् जिसका मन भली प्रकार शान्त है और पाप से रहित है जिसके तम व रज शान्त हैं, उसे ही आनन्द प्राप्त होता है। आपके मन में लम्बे समय तक टिकने वाली शान्ति आ जाए और यह तभी सम्भव है जब आप ब्रह्म के साथ, परमात्मा जो सत्य स्वरूप अर्थात् नित्य है, चेतन है और आनन्द स्वरूप है, उसके साथ निरन्तर जुड़े रहेंगे। लेकिन आप तो माया के साथ जुड़े हुए हैं जो कभी साथ नहीं देती। यह माया तो अनित्य है। आज है कल नहीं है। यह शरीर जिसे हम अपना मानते हैं यह भी साथ नहीं देता तो माता-पिता, भाई-बन्धु, पति-पत्नी, पुत्र- पुत्री, धन-दौलत, कहाँ साथ देने वाले हैं। सब अनित्य है। किसी कवि ने कहा है:-

माया संग न चले, काया संग न चले,
ओ३म् नाम संग-संग ही चले।
फिर यह हीरा जन्म मिले न मिले,
ओ३म् नाम संग-संग ही चले॥

भौतिकता की ओर तो आप सदा अग्रसर रहते हैं। अध्यात्म को भी अपने जीवन का अंग बना लो। तप-स्वाध्याय-सत्संग-दान-यज्ञ-प्रभु के प्रति सदैव कृतज्ञता का भाव, यह चीजें अब हमारे जीवन में आ जाएँ।

क्योंकि :-

बचपन खेल-कूद में गवाँया, जवानी में प्रभु प्रेम न भाया
गई जवानी आया बुढ़ापा, काया ने अपना रंग दिखाया
आँख-नाक-कान हुए जब ढीले, तन की काया मुरझाई
क्यों झूठे जग में मन भरमाया, हीरे जैसा जन्म गवाँया

जीवन के जिस पड़ाव में भी आप हैं, प्रभु की ओर कदम बढ़ा दें तो जीवन सार्थक हो जाएगा। जीवन में शान्ति-सुख और आनन्द बना रहेगा और आप उल्लास से भरे रहेंगे।

ओ३म के ही ध्यान से, और ध्यान से ही योग तक,
जीवन के अन्तिम लक्ष्य तक, यह ओ३म् ही पहुँचाएगा।

(साभार: आर्य जगत्-26 जनवरी 2019)

■■

भर्तृहरि वचन

1. दुर्जन व्यक्ति चाहे कितना ही विद्वान हो उसे उसी प्रकार त्याग देना चाहिये जैसे मणिधारी विषधर को त्याग दिया जाता है।

2. व्यक्ति की तृष्णा कभी नहीं मरती। तृष्णा को त्याग कर संतोष प्राप्त करें। संतोष के अतिरिक्त सुख-शान्ति का दूसरा कोई मार्ग नहीं है।

3. आशा एक नदी है, इसमें इच्छायें रूपी जल भरा है और तृष्णा रूपी लहरें उठा करती हैं। आशा में ही व्यक्ति जीवन भर फंसा रहता है।

4. दूसरों का चिन्तन करने की बजाय मनुष्य को आत्मचिन्तन में लगना चाहिये। आत्मचिन्तन से विवेक की प्राप्ति होगी।

5. मन की गति विचित्र है, वह पल में कहीं होता है और पल में कहीं। किन्तु इतना मूर्ख है कि आत्मा में बसे परमात्मा का स्मरण नहीं करता जिसकी अनुकम्पा से सहज ही मोक्ष की प्राप्ति हो सकती है।

6. सुख तो क्षण भंगुर हैं। परमात्मा के सिवाय कुछ भी नित्य नहीं है। अगर मनुष्य को संसार रूपी भवसागर से पार उतरना है तो उसे परमात्मा के ध्यान में लीन हो जाना चाहिये।

(साभार : 'शुद्धि समाचार', दिसम्बर 2018)

■■

अप्रैल 2019 मास में साप्ताहिक सत्संग

दिनांक	वक्ता	विषय
07	श्री विनय आर्य (9958174441)	आर्य समाज स्थापना दिवस एवं नवसंवत्सर
14	आचार्य संजय याज्ञिक (9756777958)	रामनवमी
21	**15-21 वार्षिकोत्सव**	
28	आचार्य वीरेन्द्र विक्रम (9899908766)	भारत की एकता - हिन्दी की विशेषता

मार्च मास में प्राप्त दान राशि:—

नाम	राशि	नाम	राशि	नाम	राशि
श्रीमती संतोष मुंजाल	50,000/-	श्री रजनीश दुग्गल	2,100/-	श्रीमती अमृत पॉल	1,100/-
श्रीमती सतीश सहाय	25,000/-	श्री राजीव भटनागर	2,100/-	श्रीमती उषा मरवाह	1,100/-
M/s हीरो मोटोकॉर्प लिमी. C/o श्रीमती संतोष मुंजाल	7,000/-	श्रीमती प्रेम शर्मा	2,100/-	श्री के.के. कौल एवं परिवार	700/-
		श्री राकेश सरदाना	2,000/-	श्रीमती कान्ता मदान	501/-
M/s मुंजाल शोवा लिमी. C/o श्री योगेश मुंजाल	5,100/-	श्री राजेश सहगल	2,000/-	श्री सुभाष भसीन	501/-
		श्री हरदीप कपूर	1,000/-	श्रीमती लीला बिष्ट	500/-
स्व. श्रीमती इन्दु महाजन	5,100/-	श्री आर.के. सुमानी	1,000/-	आर्य समाज मदनगीर	500/-
श्री आनन्द बहल	5,100/-	श्रीमती चन्दु सुमानी	1,000/-	श्री विपुल कुमार गुप्ता	500/-
श्री के.के. गुलाटी	5,000/-	श्री गौरव सुमानी	1,000/-	श्री दयानन्द मनचन्दा	500/-
श्रीमती सुनीता शर्मा	4,000/-	श्री बी.आर. मल्होत्रा	1,000/-	श्रीमती नीरा कपूर	500/-
श्री राजेन्द्र कुमार वर्मा	3,200/-	श्री सुख सागर ढींगरा	1,000/-	श्री विजय मेहता	500/-
श्री अनिल मल्होत्रा	3,100/-	श्री आर.के. तनेजा C/o तनेजा फाउण्डेशन	1,100/-	श्रीमती शशि मल्होत्रा	500/-
श्री सुनील बहल	3,100/-			श्री राजन वर्मा	500/-
श्री अक्षय नागपाल	3,000/-	श्री विजय कृष्ण लखनपाल	1,100/-	श्री सुशील कुमार जॉली	500/-
श्री जुगल किशोर खन्ना	2,200/-	श्रीमती वीना कश्यप	1,100/-	श्रीमती सारा प्रयाग	500/-
श्रीमती शकुन्तला सक्सेना एवं श्री एस.सी. सक्सेना	2,100/-	श्रीमती सुधा गर्ग	1,100/-	श्रीमती सत्या ढींगरा	500/-
		श्री अमर सिंह पहल	1,100/-	श्रीमती ऋचा सक्सेना सिंह	500/-
श्री रामित चौधरी	2,100/-	श्री नरेश ठुकराल	1,100/-	श्रीमती बाला शर्मा	500/-
श्री सुनील अबरोल	2,100/-	श्री विजय भाटिया	1,100/-	श्रीमती सुदर्शन कपूर	500/-
श्री राजीव कुमार चौधरी	2,100/-	श्रीमती चन्द्रप्रभा खाण्डपुर	1,100/-		

पुरोहित द्वारा एकत्रित धनराशि : ❖ आचार्य वीरेन्द्र विक्रम ₹ 18,001/-

वैदिक सैन्टर के लिए प्राप्त दान राशि :

❖ श्रीमती चन्द्रप्रभा खाण्डपुर ₹ 5,00,000/- ❖ श्रीमती उषा मरवाह ₹ 3,00,000/-

अन्य दान: ❖ श्री कमल गाँधी - Medicines (Costing ₹13,000/-) ❖ श्री श्याम गुप्ता - Biodegradable plates & bowls

अध्यापिका की आवश्यकता

आर्य समाज कैलाश-ग्रेटर कैलाश-1 द्वारा आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए संचालित अमृत पॉल आर्य शिशु शाला के लिए एक **हिन्दी अध्यापिका की आवश्यकता है।**

अध्यापिका कक्षा 1 से 5 तक के लिए सक्षम होनी चाहिए। **योग्यता एम.सी.डी. के नियमों के अनुसार आवश्यक है** जैसे **एम.ए./बी.एड./ई.टी.टी./सी.टी.ई.टी.**। अपना आवेदन पत्र मुख्यअध्यापिका श्रीमती अर्चनावीर के नाम से **अमृत पॉल आर्य शिशु शाला, बी-31/सी, कैलाश कॉलोनी, नई दिल्ली-48** को भेजें अथवा ईमेल: aparyashishushala10@yahoo.com द्वारा भेजें।

महर्षि दयानन्द सरस्वती जयन्ती एवं ऋषि बोधोत्सव

आर्य समाज कैलाश-ग्रेटर कैलाश-1 में रविवार, 3 मार्च 2019 को महर्षि दयानन्द सरस्वती का 195वाँ जन्मोत्सव एवं ऋषि बोधोत्सव को बड़े हर्षोल्लास से मनाया गया। महर्षि दयानन्द आर्य समाज के संस्थापक, सुप्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी और महान समाज सुधारक थे। समारोह का शुभारंभ वैदिक यज्ञ से आचार्य वीरेन्द्र विक्रम जी ने कराया। सदस्यों तथा उनके परिवारो ने इस यज्ञ में सम्मलित होकर स्वामी दयानन्द जी को अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

यज्ञ के पश्चात् **डॉ. महावीर मीमांसक**, प्रसिद्ध वैदिक प्रवक्ता का 'महर्षि दयानन्द' विषय पर प्रवचन हुआ। डॉ. मीमांसक ने महर्षि दयानन्द का समाज उत्थान के योगदान, नारी शिक्षा, विधवा विवाह, बाल विवाह, पाखंड व अंधविश्वास आदि के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने यह भी बताया कि स्वामी दयानन्द अपने समय के महान क्रांतिकारी थे उन्होंने '**स्वतंत्रता की लड़ाई में**' उल्लेखनीय भूमिका निभाई और उनसे स्वराज्य की प्रेरणा पाकर असंख्य नौजवान आजादी के आंदोलन में कूद पड़े। स्वामी दयानन्द ने अपने अमर ग्रंथ 'सत्यार्थ प्रकाश' से पूरे समाज में परिवर्तन किए तथा विश्व को एक नई दिशा प्रदान की।

तत्पश्चात् श्री अंकित उपाध्याय के मधुर भजनों का श्रोताओं ने आनन्द उठाया। समारोह के अन्त में सभी के लिए ऋषि लंगर का आयोजन किया गया था।

ओ३म् समुद्रादर्णवादधि संवत्सरोऽअजायत। अहोरात्राणि विदधद्विश्वस्य मिषतो वशी॥२॥

–ऋ० १०/१९०/२

सारे ब्रह्माण्ड को सहज ही में अपने वश में रखने वाले परमेश्वर ने समुद्र की उत्पत्ति के पश्चात् संवतसर (वर्ष) और फिर इनके विभाग दिन, रात, क्षण, मुहूर्त आदि को रचा।

॥ओ३म्॥

आर्य समाज कैलाश-ग्रेटर कैलाश -1 (पंजी.), नई दिल्ली-110048

वार्षिकोत्सव

दिनांक : सोमवार 15 अप्रैल से रविवार 21 अप्रैल 2019

भाइयों एवं बहिनों,

सादर नमस्ते!

आपको जानकर हर्ष होगा कि आर्य समाज कैलाश-ग्रेटर कैलाश-1 का **वार्षिकोत्सव** उपरोक्त तिथियों में समाज के प्रांगण में आकर्षक कार्यक्रमों के साथ आयोजित किया जा रहा है।

इस बार वार्षिकोत्सव के अवसर पर प्रवचन के लिए उच्चकोटि के वैदिक विद्वान आचार्य अखिलेश्वर जी को आमंत्रित किया गया है।

यदि आपके मन में आध्यात्मिक, व्यावहारिक, पारिवारिक व सामाजिक विषयों पर कोई प्रश्न या शंका है तो समाधान जानने का अवसर मिलेगा।

जिज्ञासु जन अपने प्रश्न व शंकाएं पूर्व लिखित में दें।

ऋग्वेद महायज्ञ

सोमवार 15 अप्रैल 2019 से
शनिवार 20 अप्रैल 2019 तक

यज्ञ और प्रवचन	:	प्रात: 7:00 से 8:30 बजे तक
ब्रह्मा	:	आचार्य अखिलेश्वर जी
सहयोगी	:	पं. वेद कुमार वेदालंकार एवं आचार्य वीरेन्द्र विक्रम
भक्ति संगीत एवं प्रवचन	:	सायं 6:30 से 8:30 बजे तक
भजन	:	श्री अंकित उपाध्याय (15 से 17 अप्रैल 2019) सायं 6:30 से 7:30 बजे तक
	:	श्री लक्ष्मीकान्त (18 से 20 अप्रैल 2019) सायं 6:30 से 7:30 बजे तक
प्रवचन	:	आचार्य अखिलेश्वर जी सायं 7:30 से 8:30 बजे तक
प्रवचन विषय	:	वेद कथा

मुख्य समारोह

रविवार, 21 अप्रैल 2019
समय : प्रातः 8:00 से दोपहर 1:15 बजे तक

कार्यक्रम

पूर्णाहुति	:	प्रात: 8:00 से 9:30 बजे तक
भजन	:	श्री लक्ष्मीकान्त (प्रात: 10:00 से 10:45)
अध्यक्ष	:	महाशय धर्मपाल जी (चेयरमैन, एम.डी.एच. एवं प्रधान-आर्य केन्द्रीय सभा दिल्ली)
आशीर्वाद	:	स्वामी प्रणवानन्द सरस्वती जी संचालक श्रीमद्दयानन्द वेदार्ष महाविद्यालय, न्यास
मुख्य अतिथि	:	श्रीमती संतोष मुंजाल एवं मुंजाल परिवार
विशिष्ट अतिथि	:	श्रीमती शिखा राय, अध्यक्षा स्थाई समिति (दक्षिण दिल्ली नगर निगम)
विशेष आमंत्रित	:	श्री रामनाथ सहगल, श्री धर्मपाल आर्य, श्री विनय आर्य, श्री के.सी. तनेजा (पूर्व निगम पार्षद), श्री अजय सहगल, श्री आनन्द चौहान, श्री नितिनजय चौधरी, श्री सुधीर मुंजाल, श्री रजनीश गोयनका, श्री योगराज अरोड़ा, डॉ. मधु गुप्ता, श्री गुनमीत सिंह
प्रमाण-पत्र वितरण (सत्यार्थ प्रकाश कक्षा)	:	आचार्य इन्द्र देव जी (प्रात: 10:45 से 11:05)
प्रवचन वक्ता	:	डा. महेश विद्यालंकार (प्रात: 11:05 से 11:50)
विषय	:	वेदों का सार
प्रवचन वक्ता	:	आचार्य अखिलेश्वर जी (दोप. 11:50 से 12:50)
विषय	:	वैदिक शिक्षा ही मानवता का आधार
सम्बोधन	:	महाशय धर्मपाल जी / श्रीमती संतोष मुंजाल जी / श्रीमती शिखा राय जी / श्री धर्मपाल आर्य जी (दोप. 12:50 से 01:10)
धन्यवाद एवं शान्ति पाठ	:	श्री विजय लखनपाल, प्रधान, (दोप. 01:10 से 01:15)
मंच संचालन	:	श्री राजेन्द्र कुमार वर्मा
प्रीतिभोज	:	दोपहर 1:15 बजे से

MAHARISHI DAYANAND CHARITABLE MEDICAL CENTRE

Arya Samaj Kailash-Greater Kailash-I, New Delhi-110048

Ph.: 46678389, 29240762 • E-mail : samajarya@yahoo.in

An ISO 9001:2008 Certified

Pathology Laboratory Tests, X-Ray, ECG and Ultra Sound done at Very economical and reasonable rates :-

- Ultra Sound (Upper or Lower Abdomen) ..... ₹ 200/- Each
- X-Ray ..... ₹ 180/-
- ECG ..... ₹ 120/-
- Haemoglobin ..... ₹ 30/-
- Blood Sugar (F) ..... ₹ 40/-
- LFT/KFT/Lipid Profile ..... ₹ 380/- Each
- Thyroid T3, T4, TSH ..... ₹ 400/-

All tests are carried out by qualified and experience Pathologist.

महर्षि दयानन्द सरस्वती

ओ३म्

कृण्वन्तो विश्वमार्यम्

आर्य समाज कैलाश-ग्रेटर कैलाश -1 (पंजी.)

B-31/C , कैलाश कॉलोनी, नई दिल्ली-110048

फोन : 46678389, 29240762 • ईमेल samajarya@yahoo.in • वेबसाइट : www.aryasamajgk1.org

An ISO 9001:2015 Certified Institution

नव संवत्सर 2076 नववर्ष तथा

145वाँ आर्यसमाज स्थापना दिवस

शनिवार, 6 अप्रैल 2019

नववर्ष आप एवं आपके परिवार के लिए कल्याणकारी एवं मंगलमय हो!

निवेदक

संरक्षक	प्रधान	मंत्री	कोषाध्यक्ष
योगेश मुन्जाल	विजय लखनपाल	राजेन्द्र कुमार वर्मा	अमर सिंह पहल
इन्द्र सैन साहनी			
वरिष्ठ उपप्रधान	उपप्रधाना	उपप्रधान	उपमंत्री
राजीव चौधरी	श्रीमती अमृत पॉल	राजीव भटनागर	विजय भाटिया